प्रशंसक भाभी की चुदाई की चाहत

“अन्तर्वासना पर मेरी सेक्सी कहानी पढ़ कर एक भाभी ने मेल में मेरी तारीफ़ की. उनसे बातें होने लगी और ये बातें किसी हद तक आगे बढ़ी, पढ़ का मजा लें ! …”

Story By: शिव राज (shivsex.incnb)
Posted: Tuesday, June 18th, 2019
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: प्रशंसक भाभी की चुदाई की चाहत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

प्रशंसक भाभी की चुदाई की चाहत

 यह कहानी सुनें
दोस्तो, कैसे हो आप सब … मैं आपका दोस्त शिव राज सिंह, एक बार फिर आपकी सेवा में एक नई और सच्ची कहानी लेकर आया हूँ. आप सबके प्यार के लिए थैंक्स, बस ऐसे ही अपना प्यार मेल करके बताते रहिएगा. आज मैं आप लोगों को एक सच्ची घटना सुनाने जा रहा हूँ, जो एक ईमेल से शुरू होती है.

मेरी सेक्सी कहानी
दोस्त की शादी मेरी सुहागरात
को पढ़ने के बाद कानपुर की ही एक भाभी का मेल आया था. उन्होंने मेरी सेक्स स्टोरी की बहुत तारीफ की.

उनसे नजदीकी बढ़ी, तो हमारी जी-मेल पर चैट होने लगी. भाभी का नाम अनीता था, वो मैरिड थी. भाभी की उम्र करीब तीस साल के आस पास की रही होगी, क्योंकि उसका एक आठ साल का बेटा भी था, मैंने अंदाजा लगाया. लेकिन वो छब्बीस साल से ज्यादा की नहीं लगती थी. भाभी काफी अच्छी फैमिली से थी. उसके हस्बैंड का बिज़नेस था … और बेटा देहरादून में पढ़ता था.

हमारी काफी चैटिंग होती थी, जिसके चलते हम दोनों ने एक दूसरे के बारे में काफी कुछ जाना था. मुझे भी भाभी की पसंद नापसंद आदि के बारे में मालूम हो गया था कि उसको क्या क्या पसंद है. उसे भी जानकारी हो गई थी कि मुझे क्या क्या पसंद है. हम लोग कभी कभी वीडियो चैट भी करने लगे थे, लेकिन अब तक सेक्स को लेकर कभी ऐसी वैसी बातें नहीं हुई थीं.

एक रात को मैं घर पर अकेला था और उस रात मेरी बीवी भी मायके गयी हुई थी. उधर भाभी के हस्बैंड भी काम से दिल्ली गए हुए थे. मैं घर पे अकेला था सो खाना पैक करवा के ले आया था. साथ में तीन बियर की कैन भी ले आया था.

मैंने सोचा था कि आज जवानी के दिनों की कोई आपबीती को सेक्स स्टोरी में लिखूंगा.

रात के करीब दस बजे भाभी का मैसेज आया- क्या हो रहा है … खाना खा लिया कि नहीं ?
मैंने रिप्लाई किया- नहीं यार … अभी तो बियर पी रहा हूँ, खाना रखा हुआ है अभी खाऊंगा.

भाभी बोली- अकेले अकेले बियर पी रहे हो … हमें कब पिलाओगे ?
मैंने कहा- आ जाओ … अभी दो और रखी हुई हैं.
भाभी बोली- आज तो अकेले हो … बीवी नहीं है, तो रात कैसे कटेगी ?
मैंने कहा- हां यार … क्या कर सकते हैं … आज तो अपने हाथों से ही काम चलाना पड़ेगा … और तुम क्या करोगी ? तुम्हारे हस्बैंड भी तो नहीं हैं … तुम भी तो अकेली हो.
इस पर भाभी बोली- वीडियो पे आओ.

अब हम लोग वीडियो चैट करने लगे. मेरी एक बियर खत्म हो चुकी थी, मैं दूसरी पी रहा था. मुझे हल्का हल्का सुरूर शुरू हो गया था.

आप लोग समझ सकते हो कि दो जवान शादीशुदा प्राणी, एक की बीवी नहीं और एक का पति नहीं … क्या सीन बनता है.

मैंने भाभी से कहा- यार अनीता, तुम आज बहुत सेक्सी लग रही हो … मन कर रहा है कि बस अभी आ जाऊं तुम्हारे पास.
भाभी बोली- आज मन किया तुम्हारा … हम लोग कितने दिन से बातें कर रहे हैं.

मैंने कहा- हां यार आज तुमको नाइटी में देखा, तो कण्ट्रोल नहीं हो रहा. तुम्हारे पास आने को तो मैं न जाने कब से तरस रहा हूँ. मेरी कभी हिम्मत नहीं हुई बोलने की, पर आज न जाने कहां से हिम्मत आ गयी, सो बोल दिया.

भाभी बोली- अब हिम्मत आ गयी है, तो तुम भी आ जाओ.
मैंने कहा- सच बोलो … यार मैं आ जाऊं ?
भाभी बोली- मैं तो कब से तुमसे मिलना चाह रही हूँ … लेकिन कभी तुमने बोला ही नहीं.
मैंने कहा- सोच लो … मैं अभी आ जाऊंगा.
भाभी बोली- आओ न … रोका किसने है.
मैंने कहा- अपना नंबर दो और अपना एड्रेस बताओ … मैं अभी दस मिनट में पहुँचता हूँ.

उसने अपना नंबर दिया और एड्रेस भी.

मैंने फ़ोन किया और पूछा- बियर पियोगी न ?
भाभी बोली- बस तुम आ जाओ, इधर सब है … हस्बैंड का स्टॉक रहता है … कभी कभी हम दोनों पीते हैं.

मैंने बाइक निकाली और कुछ ही मिनट में पहुंच गया. बड़ा ही मस्त घर था. शनिवार की ये रात मुझे और भी गर्म कर रही थी. आज मेरे साथ कुछ अच्छा होने वाला था.

मैं जैसे ही पंहुचा, वो मेरे गले लग गयी उसके मस्त चूचे मेरे सीने में गड़ने लगे. मैंने उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए और एक दूसरे के होंठों को ऐसे चूसने लगे, जैसे जन्मों के दो प्यासे मिले हों.

करीब दस मिनट तक होंठों को चूसते हुए मैं उसके मम्मों को दबाता रहा. बीच बीच में ऊपर से ही चूत को मसलता रहा.

अनीता बहुत गर्म हो चुकी थी और बीच बीच में मेरा लंड जो कि एकदम टाइट था, उसको भी वो सहला रही थी.

हम दोनों अलग हुए. मैंने दो बियर पी रखी थीं, तो मस्त सुरूर था. वो भी व्हिस्की के दो पैग मार चुकी थी, तो वो भी मस्त मूड में थी.

भाभी बोली- तुम्हें भूख लगी होगी, पहले कुछ खा लेते हैं.
मैंने कहा- खाना नहीं, मुझे प्यास लगी है … तुम्हारी चूत का पानी पीना है.
भाभी हंसने लगी.

मैंने कहा- अब कण्ट्रोल नहीं हो रहा है, पहले एक बार चुदाई कर लेते हैं, फिर खाना खाएंगे.
वो खुश वो गयी, वो भी यही चाहती थी.

उसने मुझको बेडरूम में चलने के लिए बोला और हम दोनों बेडरूम में आ गए.

बेड पर बैठते ही फिर से हमारे होंठ आपस में चिपक गए. हम दोनों एक दूसरे के होंठ चूसते हुए एक दूसरे के कपड़े निकालने लगे. जैसा हॉलीवुड मूवीज में होता है. वो नाइटी में थी, मुझे ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी. मैंने उसको पूरा नंगा कर दिया.

क्या मस्त चूचे थे … पूरे 34 इंच का साइज था. मैं भाभी के मस्त टाइट मम्मों को चूसने लगा. उसने धक्का देकर मुझे बेड पर गिराया और मेरी जींस खींच कर उतारने लगी. मैंने भी गांड उठा कर उसकी मदद की. उसने जींस के साथ साथ मेरी चड्डी भी उतार दी.

जैसे ही मेरा लंड उसके सामने आया, वो खुश हो गयी, बोली- वाओ यार क्या मस्त लंड है तुम्हारा.
उसने पूरा का पूरा लंड मुँह में भर लिया और पागलों की तरह लंड चूसने लगी. एक पल को तो मुझे ऐसा लगा कि मैं झड़ ही जाऊंगा … हल्का हल्का नशा भी था.

मैंने उसे रोका और बोला- जानेमन थोड़ा रुको.
अनीता बोली- क्या हुआ ?
मैंने कहा- यार ऐसे तो झड़ जाऊंगा … थोड़ा सब्र करो, तभी मजा कर पाएंगे.
वो रुक गयी और बोली- बताओ क्या करना है ?
मैंने कहा- मुझे और पीनी है … तुमने मेरा सारा नशा ही उतार दिया.
भाभी बोली- हां यार मेरी भी उतर गयी.
मैंने कहा- चलो एक एक पैग लेते हैं. तभी चुदाई में असली मजा आएगा.
वो बोली- हां सही कहा.

वो बोतल और दो गिलास लेकर आ गयी. हमने एक पैग बनाए और चियर्स करके सिप लेने लगे.

मैंने सिगरेट जलाते हुए उससे कहा- अब तुम लेट जाओ … मैं कुछ करूँगा.
वो चुत पसार कर बेड आधी तकिये पर बैठ गयी. मैंने सिगरेट का लम्बा कश खींचा और उसकी टांगों के बीच में बैठ कर उसकी चूत को किस किया. भाभी ने सिसकारी लेते हुए आंखें बंद कर लीं. वो मेरा सर चूत में दबाने लगी.

मैंने उसको खींच कर आधा लिटा दिया और उसकी गांड के नीचे तकिया लगा दिया, जिससे उसकी चूत खुल कर मेरे सामने आ गयी.

मैंने थोड़ी सी व्हिस्की उसकी चूत में डाली और चूत चाटने लगा. मैं पूरी जीभ चूत के अन्दर डाल कर चूसने लगा. वो आंखें बंद किये, मेरे सर पर हाथ फेर रही थी और बीच बीच में अपने पैग का सिप मार रही थी. मैं भी बीच में सिगरेट का कश लेते हुए दारु का सिप लेता और चूत चाटने लगता.

कसम से दोगना नशा हो रहा था. एक तो उसकी चूत का नशा … और दूसरा दारू का मजा.

क्या जन्नत का मजा आ रहा था, मैं उसको शब्दों में बयान नहीं कर सकता.

मेरी चुसाई से भाभी कब झड़ गयी, पता ही नहीं चला. पर उसका जोश कम नहीं हुआ था. वो बराबर मेरा साथ देती रही.

फिर हमने अपनी पोजीशन बदली. हम दोनों 69 में आ गए. अब वो मेरा लंड चूस रही थी और मैं उसकी चूत चाट रहा था. क्या मस्त मजा था, क्या आनन्द था, जो बस महसूस किया जा सकता था … बताया नहीं जा सकता था.

भाभी बोली- आज जिंदगी में पहली बार सेक्स में इतना मजा आया शिव … तुमने मुझे आज वो चीज दी है, जो मुझे आज तक नहीं मिली.
मैंने कहा- मैडम अभी तो वो चीज दी ही नहीं … अभी तो बस चूस रहा हूँ. जब लंड तुम्हारी गुलाबी चूत में डालूंगा, तब आएगा जिंदगी का असली मजा.
अनीता भाभी बोली- तो जल्दी से दो न यार … क्यों तड़पा रहे हो … जल्दी से मेरी चूत में अपना लंड डाल कर उसको निहाल कर दो.
मैंने कहा- जैसी आपकी आज्ञा मेरी जान गुलाम हाजिर है.

उसकी चूत मेरा लंड लेने को मचल रही थी. भाभी आंखें बंद किए हुए बड़बड़ा रही थी- जल्दी से चोद साले.
मैंने उसकी चूत को किस किया और लंड उसकी चूत में डाल दिया. मैंने पूरा लंड एक ही बार में जड़ तक घुसा दिया.

वो ‘उम्म्ह… अहह… हय… याह…’ करते हुए बोली- मजा आ गया … आह … क्या मस्त लंड है तुम्हारा … अब चोद साले जोर जोर से चोद … आज फाड़ दे मेरी चूत को …

मैं भी फुल स्पीड में भाभी को चोदे जा रहा था. कभी मैं मम्मों को दबाता, कभी मुँह में भर

लेता, कभी होंठ चूसने लगता.

ऐसी दमदार चुदाई का आज सही मजा आ रहा था. ये नशे की वजह से था या कुछ और वजह से था. मेरी समझ में कुछ नहीं आ रहा था. मैं बस कस कसके उसकी चूत को फाड़े जा रहा था. आज मुझे अपने लंड पे नाज़ हो रहा था कि क्या मस्त चुदाई कर रहा है.

दस मिनट की घनघोर चुदाई के बाद वो झड़ चुकी थी. मैं भी बुरी तरह थक चुका था.
मैंने उससे पूछा- क्या करूं … मैं भी झड़ने वाला हूँ … अन्दर ही डाल दूँ ?

वो कुछ नहीं बोली, बस बेहोश सी लेटी थी. जो महिलाएं अच्छा सेक्स करती हैं, उनको पता होगा कि झड़ने के बाद क्या हालत होती है.

उसको भी कुछ होश नहीं था. मैंने भी अपनी स्पीड बढ़ा दी और उसकी चूत को पूरा भर दिया. झड़ने के बाद मैं उसके ऊपर ही लेटा रहा. दस मिनट में मेरा लंड छोटा होकर बाहर निकल चुका था. मेरा और उसका पूरा पानी चूत से बह बह कर बेड पर फ़ैल चुका था.

करीब दस मिनट बाद वो होश में आयी और मेरे बालों को सहलाते हुए बोली- उठो … तुम तो सो गए … उठो यार क्या हालत कर दी मेरी चोद चोद के. … बहुत बड़े चोदू हो तुम … मुझे तो उम्मीद ही नहीं थी कि तुम ऐसी चुदाई करोगे कि एक ही बार में मेरी हालत खराब कर दोगे.

हम दोनों उठ गए.
वो बोली- भूख लगी या नहीं ?
मैंने कहा- हां बहुत जोर की लगी जानेमन … खिला दो कुछ.

वो नंगी ही उठ कर गांड मटकाते हुए खाना गर्म करने चली गयी. मैं आंखें बंद करके लेटा रहा.

कुछ देर बाद वो आयी, उसने मुझे उठाया. मैं फ्रेश हुआ. फिर हम दोनों ने खाना खाया.

मैंने टाइम देखा, तो एक बज रहा था. करीब दस मिनट बाद हम दोनों फिर से बेडपर आ गए. उसने बेडशीट चेंज की.

भाभी बोली- ये सूसू किसने की है ?
मैंने कहा- मैडम ये हम दोनों की प्यास का पानी है.
भाबी बोली- ये बेडसीट मैं संभाल कर रखूंगी … तुम्हारे प्यार की निशानी है.

हम दोनों नंगे एक दूसरे से चिपक कर लेट गए और फिर से होंठ चूसने लगे. हम दोनों एक बार फिर गर्म होने लगे. वो मेरा लंड सहलाने लगी, जिससे वो फिर से खड़ा हो गया. मुझे पता था कि अब चुदाई शुरू हुई, तो काम से काम आधा घंटे तक मेरा लंड झड़ेगा नहीं.

हम दोनों एक दूसरे के अंगों से खेलने लगे. फिर से दोनों चुदाई के लिए तैयार थे. मैंने फिर से चुदाई शुरू कर दी. इस बार मैं भाभी को आराम आराम से चोद रहा था. मैंने लम्बी चुदाई के बाद भाभी की चूत फिर से अपने लंड से भर दी.

चुदाई की फच्च फच्च की आवाजों से कमरा गूँजने लगा. कभी वो ऊपर आकर मुझे चुदती, कभी मैं कभी घोड़ी बना कर चोदता. तो कभी भाभी को अपनी गोद में बिठा कर चोदता.

लगभग आधा घंटे तक चुदाई चली और हम दोनों करीब घंटे चुदाई के बाद ही झड़े. चुदाई के बाद मैंने उसको अपनी बांहों में भर कर लिटा लिया.
पता नहीं हम दोनों कब सो गए.

एक बात है दोस्तो, कभी भी चुदाई करो … जब सब कुछ हो जाए, तो अपने पार्टनर को अपनी बांहों में भर कर सोना, वो बहुत खुश हो जाएगी. इससे प्यार बढ़ता है.

सुबह हम लोगों की नींद करीब छह बजे खुली.

वो बोली- अब तुम्हें जाना होगा … सात बजे से घर के नौकर आ जाएंगे.

मैं जल्दी से उठा और फ्रेश हुआ. एक बार सुबह वाली क्विकी चुदाई की और वहां से निकल गया.

उसके घर से निकलते ही उसका फ़ोन आ गया. भाभी बोली- क्यों जा रहे हो, वापस आ जाओ … मेरा फिर से मन कर रहा है.
मैंने कहा- आता हूँ … नहा धोकर चेंज करके आता हूँ.

मैं रात भर की चुदाई से थक गया था, सो नहाना चाहता था.

भाभी बोली- अरे अभी अभी हस्बैंड का फ़ोन आया कि वो आज भी नहीं आएंगे … कल रात तक पहुंचेंगे … तो फ्रेश होकर दो बजे तक आ जाना. हम दोनों मूवी देखने चलेंगे … और फिर रात को मेरे साथ ही रुकना.
मैंने कहा- ठीक है … मिलते हैं.
वो बोली- आई लव यू शिव … जल्दी आओ बाय…

दोस्तो, कैसी लगी मेरी ये सच्ची सेक्सी कहानी … जरूर बताना, मुझे आपके ईमेल का इंतज़ार रहेगा. आपका दोस्त शिव राज सिंह.
मेरी मेल आईडी है.
sex.incnb@gmail.com

Other stories you may be interested in

वासना के वशीभूत पति से बेवफाई-1

कॉलेज खत्म होते ही पापा ने मेरी शादी कराने की सोची, मुझे कुछ बोलने का मौका भी नहीं मिला। मुझे एक लड़का देखने आया, नितिन मुझे भी पसंद आया। बैंक ऑफीसर नितिन दिखने में हैंडसम था और बातें भी मीठी […]
Full Story >>>

प्यासी भाभी संग क्सक्सक्स मस्ती

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम अजय है। मैं जयपुर का रहने वाला हूं। अभी मेरी उम्र 24 साल ही है मगर ये xxx कहानी आज से दो साल पहले की है। इस कहानी की शुरूआत पांच साल पहले हुई थी जब […]
Full Story >>>

मेरी कामवाली की चिकनी हॉट चूत

नमस्कार दोस्तो, मैं प्रदीप शर्मा, आपको अपनी एक हॉट सेक्स कहानी सुनाना चाहता हूँ. वैसे तो मेरी जिंदगी में बहुत सी लड़कियां आईं और चुद कर गयी हैं. लेकिन कुछ ऐसी भी निकली हैं जिन्हें मैं भूल नहीं सकता. एक […]
Full Story >>>

सेक्सी किरायेदार भाभी की चालाकी

दोस्तो, मेरा नाम रोबिन है. आपने मेरी पहली सेक्स कहानी मस्त गदरायी लड़की संग सेक्सी मस्ती पढ़ी होगी. मैं एक बार फिर से अपनी नयी कहानी ले कर हाजिर हूँ. मेरे लंड का साइज़ 6 इंच है. अपने इस लंड […]
Full Story >>>

मेरी गाँव वाली मामी की कामवासना

दोस्तो, मैं कुन्दन हूँ, ये मेरा निक नेम है. मेरा गांव भोपाल के पास है. मैंने इंदौर से इंजीनियरिंग किया है और मैं देवास में नौकरी करता हूँ. मेरी हाईट 5 फुट 6 इंच है. मेरी उम्र 24 साल है. […]
Full Story >>>